पठन विकास की रणनीतियाँ

शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना
(मैं करता /करती हूँ)

शिक्षक द्वारा संवाद सहित पढ़कर सुनाना

- रोचक और चित्र वाली कहानी की किताबें
- हाव-भाव के साथ बच्चों को पढ़कर सुनाना
- पढ़ने से पहले, पढ़ने के दौरान और पढ़ने के बाद विभिन्न गतिविधियाँ

शिक्षक के साथ पढ़ना
(हम मिलकर करते हैं)

साझा पठन

-बड़े प्रिंट की किताबें, बड़ी पुस्तकें, पाठ को बोर्ड/चार्ट पर लिखना
-शिक्षक उँगली रख कर पाठ को बोल-बोल कर, धीमी गति से पढ़ते हैं
-बीच-बीच में बच्चों को पठन में शामिल करने का प्रयास

शिक्षक के मार्गदर्शन में पढ़ने का अभ्यास
(तुम मिलकर करो)

1.मार्गदर्शन युक्त पठन
2.जोड़ों में पठन

-छोटे समूह
-सरल स्तरबद्ध किताबों या पाठों का इस्तेमाल
-बारी-बारी से हर समूह के साथ बैठ कर उन्हें उचित मार्गदर्शन देना
-जोड़ों में बैठकर एक-दूसरे को ज़ोर-ज़ोर से पढ़कर सुनाना
-बच्चों के स्तर का पाठ

बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन
(तुम स्वयं करो)

स्वतंत्र पठन

-सरल स्तर के पाठों के साथ अभ्यास
-पसंद की किताबें
-चरण अनुसार
-पाठ के स्तर अनुसार